

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर

सृजनिका

मासिक पत्रिका



अनुक्रमणिका

1. राजभाषा कार्यान्वयन समिति	01
2. सपनों को मिला नया आसमान: भुज के अल्फ्रेड हाई स्कूल में निफ्ट गांधीनगर का विशेष आउटरीच प्रोग्राम.....	02
3. नवाचार के महाकुंभ में निफ्ट गांधीनगर की गूंज: 'स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2025' में शानदार जीत.....	05
4. डिज़ाइन के साथ डेटा का कमाल: IIM अहमदाबाद में निफ्ट गांधीनगर की छात्राओं का शानदार प्रदर्शन.....	09
5. शंघाई 2026 की ओर पहला कदम: 'इंडिया स्किल्स' में निफ्ट गांधीनगर के छात्रों का शानदार प्रदर्शन.....	11
6. रंगों और कला का अनूठा उत्सव: निफ्ट गांधीनगर में स्कूली छात्रों के लिए 'रंग शाला' का शानदार आयोजन.....	14
7. निफ्ट कैंपस में एक दिन: जब स्कूली बच्चों ने करीब से देखी डिज़ाइन की दुनिया.....	17
7. रचनात्मकता से करियर तक: न्यू एरा स्कूल राजकोट में निफ्ट का खास जागरूकता अभियान.....	21
8. सपनों की नई उड़ान, दीव के आसमान में: निफ्ट गांधीनगर का जेएनवी दीव में खास जागरूकता अभियान.....	24
9. रचनात्मक शिक्षा को बढ़ावा: निफ्ट गांधीनगर और ज़िला प्रशासन (गिर सोमनाथ) की संयुक्त पहल से वेरावल में विशाल 'आउटरीच प्रोग्राम'.....	28
10. फैशन और डिज़ाइन की दुनिया के समाचार	31
11. शब्दकोश - दिसम्बर 2025	33





राजभाषा कार्यान्वयन समिति

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।" संस्थान में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने और भारत सरकार की राजभाषा नीतियों के सुचारू रूप से कार्यान्वयन के लिए गठित हमारी राजभाषा कार्यान्वयन समिति:

नाम	पदनाम		नाम	पदनाम
प्रो. (डॉ.) समीर सूद	परिसर निदेशक		श्री निलेश कुमार शिधपुरा	सह-प्राध्यापक, सी.सी. एफ.सी. एवं फैकल्टी इंचार्ज (संसाधन केंद्र)
प्रो. (डॉ.) प्रणव वोरा	प्राध्यापक, एवं संयुक्त निदेशक (प्रभारी)		सुश्री सुमिता अग्रवाल	सहायक प्राध्यापक एवं फैकल्टी इंचार्ज (छात्रावास)
श्री मनीष भार्गव	सह-प्राध्यापक एवं सी.सी. टी.डी.		श्री सुनील कुमार	सह-प्राध्यापक, ए.डी. एवं एसडेक
सुश्री आरती सोलंकी	सह प्राध्यापक एवं सी.सी. डी.एफ.टी.		श्री रूजुल पटेल	लेखा अधिकारी
सुश्री जपजी कौर कोहली	सह प्राध्यापक एवं सी.सी. एफ.पी.		श्री चिराग सोलंकी	वरिष्ठ सहायक निदेशक
डॉ. कृति धोलकिया	सह प्राध्यापक एवं सी.सी. एम.एफ.एम.		श्री नवीन गुहर	क्रय अधिकारी
डॉ. रंजीत कुमार	सहायक प्राध्यापक एवं सी.सी. एफ.एंड.एल.ए.		डॉ. हरलीन साहनी	प्रोफेसर एवं सी.आई.सी.
डॉ. विशाल गुप्ता	सह प्राध्यापक एवं कैपस अकादमिक कोऑर्डिनेटर		श्री मनीष शर्मा	सहायक प्राध्यापक, एफ.एंड.एल.ए. एवं नोडल हिंदी
श्री संदीप कुमार मोहर	सहायक प्राध्यापक एवं सी.सी. एफ.डी.		श्री गौरव बघेल	कनिष्ठ सहायक, संसाधन केन्द्र, राजभाषा अनुभाग एवं क्रय विभाग
डॉ. संजीव जैन	प्रमुख संसाधन केंद्र			

राजभाषा हिंदी: हमारी पहचान, हमारा सम्मान

सपनों को मिला नया आसमान

भुज के अल्फ्रेड हाई स्कूल में निफ्ट गांधीनगर का विशेष आउटरीच प्रोग्राम

कच्छ (भुज) की माटी में कला, शिल्प और हथकरघा की जो ऐतिहासिक विरासत है, वह सदियों से हमारी सांस्कृतिक पहचान रही है। इसी समृद्ध पारंपरिक विरासत को आधुनिक डिज़ाइन शिक्षा के साथ जोड़ने और कच्छ के होनहार युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने के उद्देश्य से, निफ्ट गांधीनगर की टीम ने भुज के प्रतिष्ठित 'अल्फ्रेड हाई स्कूल' में एक विशेष 'जनसंपर्क एवं जागरूकता अभियान' का आयोजन किया। यह केवल एक सेमिनार नहीं था, बल्कि कच्छ की कलात्मक प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच से जोड़ने का एक मजबूत संकल्प था।



चित्र 1.1: कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करते अतिथिगण तथा मधुर स्वर में प्रार्थना (वंदना) प्रस्तुत करती छात्राएं।

विरासत को आधुनिक डिज़ाइन से जोड़ने की पहल

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य भुज के स्कूली विद्यार्थियों को निफ्ट के विभिन्न डिज़ाइन पाठ्यक्रमों, प्रवेश प्रक्रिया और फैशन उद्योग में मौजूद बेहतरीन करियर के अवसरों के बारे में जागरूक करना था। सेमिनार हॉल में ज़मीन पर कतारों में बैठे सैकड़ों विद्यार्थियों की उपस्थिति इस बात का प्रमाण थी कि कच्छ का युवा वर्ग रचनात्मकता के क्षेत्र में अपना भविष्य संवारने के लिए कितना उत्सुक है।



चित्र 1.2: कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते निफ्ट गांधीनगर के निदेशक प्रो. (डॉ.) समीर सूद (शीर्ष)। साथ ही, अपना प्रस्तुतीकरण देते प्रो. रवि जोशी व प्रो. असित भट्ट तथा उन्हें ध्यानपूर्वक सुनते छात्र-छात्राएं।

सपनों की रूपरेखा और निफ्ट का विस्तृत संसार

सेमिनार के दौरान, छात्रों को डिजिटल प्रेजेंटेशन के माध्यम से निफ्ट की विशाल दुनिया से रूबरू कराया गया। जब स्क्रीन पर "37 Years, 18 Campuses, 13,163 Students, 38,000+ Alumni" के शानदार आंकड़े प्रदर्शित हुए, तो छात्रों को यह अहसास हुआ कि वे एक कितने बड़े और वैश्विक संस्थान का हिस्सा बन सकते हैं। विशेषज्ञों ने उन्हें डिज़ाइन थिंकिंग और क्रिएटिव करियर की बारीकियों के बारे में विस्तार से समझाया।

सम्मान और एक नए सफर का वादा

कार्यक्रम के अंतिम चरण में, निफ्ट गांधीनगर और अल्फ्रेड हाई स्कूल के प्रतिनिधियों के बीच मंच पर आत्मीयता के साथ स्मृति चिह्न और दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया गया। यह क्षण केवल दो संस्थानों के बीच औपचारिकता का नहीं था, बल्कि कच्छ की भावी पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक साझा जिम्मेदारी का प्रतीक था।



चित्र 1.3: कार्यक्रम के दौरान मंच पर अतिथियों एवं विद्यालय के प्रतिनिधियों का अभिवादन कर उन्हें स्मृति चिह्न भेंट करते निफ्ट गांधीनगर के निदेशक प्रो. (डॉ.) समीर सूद (मध्य), प्रो. असित भट्ट (बाएँ) तथा प्रो. रवि जोशी (दाएँ)।

अल्फ्रेड हाई स्कूल, भुज में आयोजित यह आउटरीच प्रोग्राम कच्छ के युवाओं के लिए एक नई दिशा लेकर आया। निफ्ट गांधीनगर का यह प्रयास निश्चित रूप से इस क्षेत्र की कलात्मक प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय मंच तक पहुँचाने के लिए एक मजबूत सेतु का काम करेगा।

"कच्छ के हथकरघा और हस्तशिल्प की असली उड़ान तब होगी, जब यहाँ के युवा अपनी पारंपरिक कला को निफ्ट की वैश्विक शिक्षा से जोड़ेंगे।"

नवाचार के महाकुंभ में निफ्ट गांधीनगर की गूंज

'स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2025' में शानदार जीत

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) की प्रतिष्ठित पहल और दुनिया के सबसे बड़े इनोवेशन फेस्टिवल, 'स्मार्ट इंडिया हैकथॉन (SIH) 2025 - सॉफ्टवेयर एडिशन' के ग्रैंड फिनाले में निफ्ट गांधीनगर के होनहार विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपना परचम लहराया है। फैशन और तकनीक के इस अद्भुत संगम ने यह साबित कर दिया है कि निफ्ट के छात्र केवल कैनवस या कपड़ों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे समाज की जटिल तकनीकी समस्याओं का समाधान खोजने में भी अग्रणी हैं।



चित्र 2.1: 'स्मार्ट इंडिया हैकथॉन (SIH) 2025' के ग्रैंड फिनाले में निफ्ट गांधीनगर का शानदार प्रतिनिधित्व करती विद्यार्थियों की टीम।

विविधता और प्रतिभा का अचूक तालमेल

हैकथॉन जैसे जटिल और तकनीकी मंच पर सफलता प्राप्त करने के लिए टीम में विविधता होना बेहद ज़रूरी है। निफ्ट गांधीनगर की इस टीम ने मास्टर ऑफ फैशन मैनेजमेंट, मास्टर ऑफ डिज़ाइन और बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी के छात्रों का एक आदर्श मिश्रण प्रस्तुत किया।

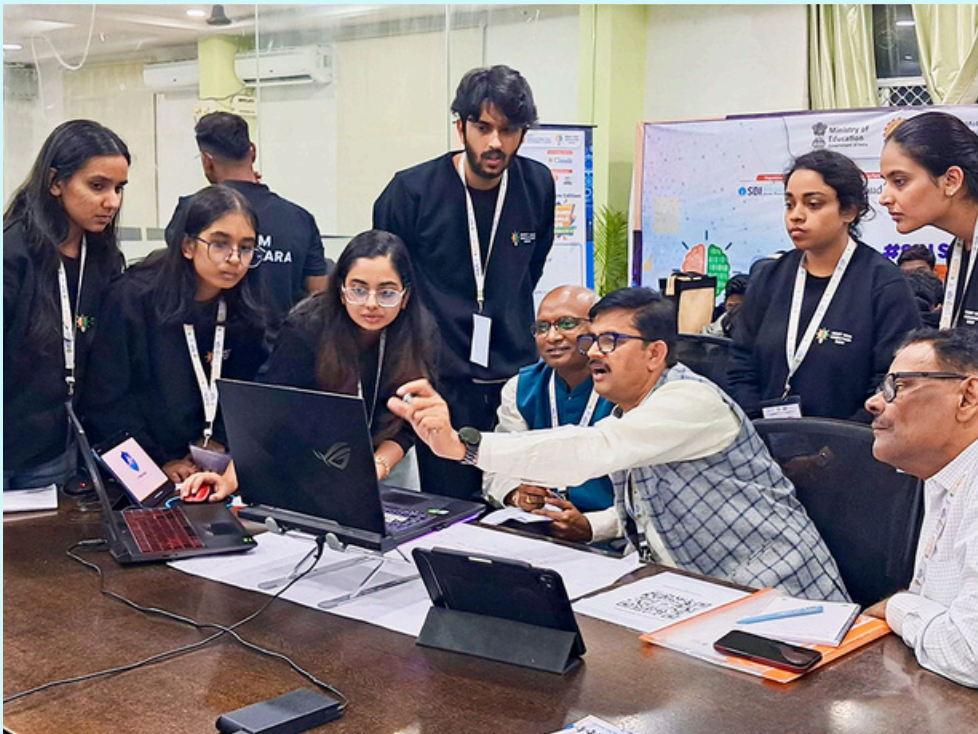




चित्र 2.2: हमारी गौरवशाली टीम: नंदिनी सहाय (MFM), भारती वशिष्ठ (M.Des), आशीष मिश्रा (M.Des), रितु सिंह (M.Des), लावण्या सिंह गढ़वी (BFT), श्रावणी किरण भदाणे (BFT)

कठिन चुनौती, 36 घंटे का समर्पण और 'ई-निरीक्षण'

हैकथॉन का वातावरण किसी भी युवा नवोन्मेषक के लिए एक अग्निपरीक्षा जैसा होता है। हमारी टीम ने अपनी तकनीकी और रचनात्मक विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए ई-निरीक्षण नामक एक अनूठा प्रोजेक्ट विकसित किया।



चित्र 2.3: अपने इनोवेटिव प्रोजेक्ट 'ई-निरीक्षण' के डैशबोर्ड के साथ आत्मविश्वास से भरी निफ्ट की टीम।



लगातार कई घंटों तक बिना रुके कोडिंग, डिज़ाइनिंग और रणनीति पर काम करना आसान नहीं होता। तस्वीरों में टीम के सदस्यों की लैपटॉप स्क्रीन पर टिकी नज़रें और उनके चेहरों की गंभीरता उनके समर्पण की गवाही देती है। जब टीम ने जूरी के सामने अपनी परियोजना का प्रेजेंटेशन दिया, तो उनका आत्मविश्वास और 'डिज़ाइन थिंकिंग' का दृष्टिकोण देखने लायक था।

सफलता का मंच और सम्मान

हज़ारों टीमों की कड़ी प्रतिस्पर्धा को पार करते हुए ग्रैंड फिनाले में न केवल पहुँचना, बल्कि अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से निर्णायक मंडल को प्रभावित करना एक असाधारण उपलब्धि है। मंच पर जब इस टीम को उनके शानदार तकनीकी समाधान के लिए सम्मानित किया गया, तो वह पल निफ्ट गांधीनगर के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया।



चित्र 2.4: 'स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2025' के ग्रैंड फिनाले के मंच पर अधिकारियों से पुरस्कार और प्रमाणपत्र ग्रहण करती हुई विजेता टीम।

संस्थान में वापसी और निदेशक महोदय की सराहना

इस शानदार जीत के बाद, जब टीम निफ्ट गांधीनगर परिसर लौटी, तो उनका भव्य स्वागत किया गया। टीम के सदस्यों ने निफ्ट गांधीनगर के निदेशक, प्रो. (डॉ.) समीर सूद से उनके कार्यालय में विशेष मुलाकात की। निदेशक महोदय ने ट्राफियों और प्रमाणपत्रों के साथ टीम की सफलता की सराहना की और भविष्य के लिए उन्हें प्रेरित किया।



चित्र 2.5: अपनी शानदार जीत के बाद निफ्ट गांधीनगर के निदेशक प्रो. (डॉ.) समीर सूद के साथ अपनी ट्राफियां और प्रमाणपत्र साझा करते विजेता छात्र।

निफ्ट गांधीनगर परिवार अपनी इस शानदार टीम की प्रतिभा, समर्पण और नवाचार की भावना पर अत्यंत गर्व महसूस करता है। हैकथॉन 2025 का यह अनुभव निश्चित रूप से इन 6 युवा विद्यार्थियों के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा, और संस्थान के अन्य विद्यार्थियों को भी डिज़ाइन और तकनीक के क्षेत्र में कुछ नया और अभूतपूर्व करने के लिए प्रेरित करेगा।

"डिज़ाइन केवल कला तक सीमित नहीं है, यह तकनीक को हथियार बनाकर समाज की वास्तविक समस्याओं को हल करने का एक सशक्त माध्यम भी है।"

डिज़ाइन के साथ डेटा का कमाल

IIM अहमदाबाद में निफ्ट गांधीनगर की छात्राओं का शानदार प्रदर्शन

फैशन का मतलब सिर्फ अच्छे कपड़े डिज़ाइन करना नहीं है, बल्कि यह बाज़ार की ज़रूरतों और डेटा को गहराई से समझने से भी जुड़ा है। इसी बात को सच साबित करते हुए, निफ्ट गांधीनगर की तीन छात्राओं ने देश के सबसे प्रतिष्ठित संस्थान, आईआईएम अहमदाबाद में अपनी कामयाबी का परचम लहराया है।



चित्र 3.1: आईआईएम अहमदाबाद में आयोजित 'आईएमआरसी 2025' सम्मेलन के दौरान परिसर और आयोजन स्थल पर उपस्थित निफ्ट की टीम।

क्या था रिसर्च का विषय?

निफ्ट गांधीनगर के बैचलर ऑफ़ फैशन टेक्नोलॉजी (बीएफटी) की होनहार छात्राओं—अदिति आनंद, अनुजा शर्मा और स्वर्धुनी राय—ने आईआईएम अहमदाबाद के 'इंटरनेशनल मैनेजमेंट रिसर्च कॉन्फ्रेंस' (आईएमआरसी 2025) में अपना रिसर्च पेपर पेश किया।

उनके रिसर्च का विषय बेहद दिलचस्प और आज के समय की ज़रूरत था: "द राइज़ ऑफ़ प्लस-साइज़ विमेन एज़ अ ट्रांसफॉर्मेटिव कंज़्यूमर सेगमेंट: शैपिंग इंडियाज़ फ्यूचर इकॉनमी" (प्लस-साइज़ महिलाओं का उपभोक्ता के रूप में उदय और भविष्य की अर्थव्यवस्था)। सबसे बड़ी बात यह है कि उनका यह पेपर 'डेटा साइंस एंड एआई' ट्रैक में चुना गया।

शानदार प्रेजेंटेशन और आत्मविश्वास

इस प्रोजेक्ट को सफल बनाने में निफ्ट के अनुभवी शिक्षकों, डॉ. काजा बंधा नवास आर. एवं डॉ. इतिश्री राजपूत का बेहतरीन मार्गदर्शन रहा।

जब इन छात्राओं ने आईआईएम अहमदाबाद के ऑडिटोरियम में अपना प्रेजेंटेशन दिया, तो उनका आत्मविश्वास देखने लायक था। उन्होंने स्क्रीन पर डेटा और चार्ट्स के ज़रिए जूरी पैनल को समझाया कि क्यों 'प्लस-साइज़' कपड़ों के लिए सिर्फ अंदाज़े लगाना काफी नहीं है, बल्कि इसके लिए सही डेटा और 'साइंटिफिक साइज़िंग' की ज़रूरत है।



चित्र 3.2: स्क्रीन पर डेटा चार्ट्स के ज़रिए अपना रिसर्च समझाते हुए जूरी के सवालों का बेबाकी से जवाब देतीं निफ्ट गांधीनगर की होनहार रिसर्चर

मेहनत का मीठा फल

महीनों की कड़ी मेहनत और बेहतरीन रिसर्च का नतीजा बहुत शानदार रहा। प्रेजेंटेशन के बाद जब इन छात्राओं को आईआईएम के मंच पर सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया, तो उनके चेहरों की खुशी सब कुछ बयां कर रही थी।



चित्र 3.2: आईएमआरसी २०२५ में सफलतापूर्वक अपना रिसर्च पेपर पेश करने के बाद विशेषज्ञों से सर्टिफिकेट ग्रहण करती छात्राएं।

निफ्ट गांधीनगर को अपनी इन छात्राओं पर बहुत गर्व है। इन्होंने यह साबित कर दिया है कि निफ्ट के छात्र सिर्फ बेहतरीन डिज़ाइनर ही नहीं, बल्कि भविष्य के 'डेटा एनालिस्ट' और 'विज़नरी' भी हैं, जो फैशन इंडस्ट्री को एक नई और सही दिशा दे सकते हैं।

शंघाई 2026 की ओर पहला कदम

'इंडिया स्किल्स' में निफ्ट गांधीनगर के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

कौशल और रचनात्मकता के सबसे बड़े मंच पर अपनी जगह बनाने के लिए निफ्ट गांधीनगर के होनहार विद्यार्थियों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। हाल ही में आईटीआई गांधीनगर, आईटीआई थलतेज और आईटीआई चांदखेड़ा में 'इंडिया स्किल्स' की ज़िला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जहाँ निफ्ट के युवा टैलेंट ने अपने बेहतरीन काम से सबका दिल जीत लिया।



चित्र 4.1 : हुनर और टीम वर्क: 'इंडिया स्किल्स' प्रतियोगिता में अपने सिलाई कौशल का प्रदर्शन करते निफ्ट के विद्यार्थी और उनकी टीम का शानदार सामूहिक चित्र।

'विज़ुअल मर्चेंडाइजिंग' और 'स्विंग टेक्नोलॉजी' में दिखाया दम

इस अहम प्रतियोगिता में निफ्ट गांधीनगर के विद्यार्थियों ने फैशन इंडस्ट्री के दो सबसे मुश्किल और ज़रूरी कौशलों— 'विज़ुअल मर्चेंडाइजिंग' और 'स्विंग टेक्नोलॉजी'—में हिस्सा लिया।

तस्वीरों में साफ़ देखा जा सकता है कि छात्राएं कितनी एकाग्रता के साथ काम कर रही हैं। चाहे वह भूरे कागज़ पर सटीक 'पैटर्न ड्राफ्टिंग' हो या फिर सिलाई मशीनों पर 'गारमेंट कंस्ट्रक्शन', हर कदम पर उनकी तकनीकी बारीकियां और महीनों की 'प्राैक्टिकल ट्रेनिंग' साफ़ झलक रही थी। समय के भारी दबाव के बीच भी जिस तरह से उन्होंने अपना काम पूरा किया, वह बहुत प्रशंसनीय था।



चित्र 4.2: 'इंडिया स्किल्स' की जिला स्तरीय प्रतियोगिता में सिलाई एवं डिज़ाइनिंग कौशल दिखाते निफ्ट के विद्यार्थी।

'वर्ल्ड स्किल्स 2026 का सुनहरा सपना

इंडिया स्किल्स की यह ज़िला स्तरीय प्रतियोगिता कोई आम इवेंट नहीं है। यह सफलता की उस बड़ी पुस्तक का पहला पन्ना है, जिसका अंतिम लक्ष्य वर्ष 2026 में चीन के शंघाई में होने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कौशल प्रतियोगिता— 'वर्ल्ड स्किल्स कॉम्पिटिशन' —है।

ज़िला स्तर की इस चुनौती में अपना सौ प्रतिशत देकर निफ्ट के इन युवा चैंपियंस ने अब राज्य ++
स्तरीय और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की ओर अपने कदम बढ़ा दिए हैं। उनका सपना ++
शंघाई के मंच पर पहुँचकर देश और अपने संस्थान का नाम रोशन करना है। ++
++

"यह महज़ एक ज़िला स्तरीय प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि शंघाई के वैश्विक मंच पर भारत का तिरंगा लहराने के सपने की एक मजबूत शुरुआत है।"



चित्र 4.3 : उत्कृष्टता की तैयारी: 'वर्ल्ड स्किल्स 2026' के लक्ष्य के साथ 'इंडिया स्किल्स' में अपनी तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन करते छात्र।

निफ्ट परिवार को है गर्व

हमारे विद्यार्थियों की यह लगन और उनका यह श्रेष्ठ कार्य निफ्ट गांधीनगर की उच्च स्तरीय शिक्षा का सबसे बड़ा प्रमाण है। संपूर्ण निफ्ट परिवार को अपने इन युवा चैंपियंस की इस शानदार शुरुआत पर बेहद गर्व है। हम उनके इस सुनहरे सफर और आने वाली सभी प्रतियोगिताओं के लिए उन्हें ढेरों शुभकामनाएँ देते हैं।



रंगों और कला का अनूठा उत्सव

निफ्ट गांधीनगर में स्कूली छात्रों के लिए 'रंग शाला' का शानदार आयोजन

युवा प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें भारत की समृद्ध 'टेक्सटाइल' विरासत से रूबरू कराने के लिए राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) गांधीनगर ने एक बेहद खास पहल की। हाल ही में 9वीं से 12वीं कक्षा के स्कूली छात्रों के लिए 'रंग शाला' नाम से एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला केवल एक ट्रेनिंग कैंप नहीं थी बल्कि रंगों, डिज़ाइन और हमारी स्वदेशी कलाओं का एक जीवंत उत्सव थी।



चित्र 5.1 : विषय परिचय: कार्यशाला के प्रारंभिक सत्र में टेक्सटाइल डिज़ाइन और पारंपरिक रंगाई कला की सैद्धांतिक जानकारी प्राप्त करते छात्र-छात्राएं।

"जब नन्हें हाथों ने कपड़ों को बांधा और रंगों में डुबोया तो हर एक 'फोल्ड' से एक नई स्वदेशी कहानी ने जन्म लिया, यही है 'रंग शाला' का असली जादू"



चित्र 5.2: निफ्ट गांधीनगर की 'रंगशाला' कार्यशाला में 'टाई एंड डाई' (फोल्डिंग और बाइंडिंग) तकनीक का व्यावहारिक अभ्यास करते स्कूली विद्यार्थी।

कपड़ों पर उकेरी स्वदेशी कथाएँ - 'रेसिस्ट-डाइंग' का जादू

'रंग शाला' का सबसे मज़ेदार और ऊर्जावान हिस्सा इसका 'हैंड्स-ऑन' सेशन रहा। यहाँ इन स्कूली बच्चों को 'फोल्डिंग', 'बाइंडिंग' और 'रेसिस्ट-डाइंग' (टाई एंड डाई) जैसी प्राचीन स्वदेशी तकनीकों के बारे में बारीकी से सिखाया गया।

तस्वीरों में देखा जा सकता है कि बच्चों ने कितने उत्साह के साथ कपड़ों को धागों से बांधा और उन्हें मनमोहक रंगों में डुबोकर अपने खुद के डिज़ाइन तैयार किए। जब बच्चों ने अपने रंगे हुए कपड़ों को खोला तो उन पर उकेरे गए सुंदर पैटर्न और रंगों के अनूठे मेल को देखकर उनकी आँखों में जो चमक थी, वह डिज़ाइन के प्रति उनके नए प्रेम को साफ़ दर्शा रही थी।

अधिकारियों द्वारा सम्मान और प्रोत्साहन

रचनात्मकता से भरे इस शानदार सत्र के समापन पर एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। निफ्ट गांधीनगर के निदेशक प्रो. (डॉ.) समीर सूद, आमंत्रित अतिथि कर्नल ओ. पी. दुबे और संयुक्त निदेशक प्रो. (डॉ.) प्रणव वोरा ने बच्चों द्वारा तैयार किए गए 'डिस्प्ले' को बेहद दिलचस्पी के साथ देखा।

अधिकारियों ने कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी छात्रों को 'सर्टिफिकेट' देकर सम्मानित किया। उन्होंने बच्चों की मेहनत और रचनात्मकता की जमकर तारीफ की और उन्हें भविष्य में कला और डिज़ाइन की दुनिया में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।



निफ्ट कैंपस में एक दिन

जब स्कूली बच्चों ने करीब से देखी डिज़ाइन की दुनिया

हर छात्र का सपना होता है कि वह स्कूल के बाद एक बेहतरीन और बड़े कॉलेज में जाए। बच्चों के इसी सपने को हकीकत का रूप दिखाने के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट) गांधीनगर ने एक बेहद शानदार पहल की। हाल ही में स्वामी विवेकानंद विद्या विहार (सेक्टर-12बी) और सरदार वल्लभभाई पटेल विद्या मंदिर (सेक्टर-7ए) के 10वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों को निफ्ट का खास 'कैंपस टूर' कराया गया। यह उनके लिए सिर्फ एक ट्रिप नहीं था, बल्कि अपने भविष्य को करीब से महसूस करने का एक सुनहरा मौका था।



चित्र 6.1: निफ्ट गांधीनगर के भव्य ऑडिटोरियम में 'एडमिशन' और डिज़ाइन करियर पर संकाय सदस्यों की बातें ध्यान से सुनते स्कूली छात्र।



चित्र 6.2: छात्रों का उत्साहवर्धन करते और निफ्ट की शिक्षा प्रणाली समझाते निफ्ट संकाय सदस्य।

ऑडिटोरियम में सजा सपनों का मंच

जब ये स्कूली बच्चे अपनी यूनिफॉर्म में निफ्ट के विशाल ऑडिटोरियम में पहुँचे, तो उनकी आँखों में एक अलग ही उत्सुकता और चमक थी। मंच पर मौजूद निफ्ट के अनुभवी शिक्षकों और अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। स्क्रीन पर 'एडमिशन' की 'प्रेजेंटेशन' चल रही थी और विशेषज्ञ बच्चों को बता रहे थे कि फैशन, परिधान और तकनीक (जैसे 'बी.डेस' और 'बी.एफ.टेक') की दुनिया में कितने बेहतरीन करियर विकल्प मौजूद हैं।

यह 'ओरिएंटेशन' सत्र 10वीं और 12वीं के बच्चों के लिए एकदम सही समय पर हुआ, क्योंकि यही वह वक्त होता है जब उन्हें अपनी स्कूली दुनिया से निकलकर करियर की नई दिशा तय करनी होती है।



चित्र 6.3: 'इंटरैक्टिव सेशन' के दौरान हाथ में माइक लिए पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने करियर और डिज़ाइन से जुड़े सवाल पूछते जिज्ञासु स्कूली बच्चे।।

इस पूरे दिन का सबसे खूबसूरत और ऊर्जावान पल वह था जब बच्चों के लिए सवाल-जवाब का सिलसिला शुरू हुआ। तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि कैसे बच्चे बिना किसी झिझक के अपनी जगह पर खड़े होकर, हाथ में माइक पकड़े अपने सवाल पूछ रहे हैं। मंच पर बैठे अधिकारियों ने भी बेहद सरलता और धैर्य के साथ उनकी हर जिज्ञासा को शांत किया। यह सिर्फ एक औपचारिक 'टूर' नहीं था, बल्कि बच्चों और विशेषज्ञों के बीच एक बहुत ही सीधा और प्यारा संवाद था।

"जब स्कूल की किताबों से निकलकर बच्चे डिज़ाइन के असली माहौल में कदम रखते हैं, तो उनके भीतर कई नए सपने आकार लेने लगते हैं।"

एक खूबसूरत याद और नया लक्ष्य

ज्ञान और मार्गदर्शन से भरे इस सत्र के बाद सभी बच्चों ने निफ्ट की मुख्य इमारत और वहां मौजूद खूबसूरत 'पाम ट्रीज़' के सामने एक साथ तस्वीरें खिंचवाईं। निफ्ट गांधीनगर का यह 'कैंपस टूर' इन स्कूली छात्रों के लिए एक ऐसा अनुभव बन गया जिसे वे हमेशा याद रखेंगे।



चित्र 6.4: 'कैंपस टूर' के शानदार समापन पर निफ्ट गांधीनगर की मुख्य इमारत के सामने अपनी खूबसूरत यादों को कैमरे में कैद कराते हुए उत्साहित विद्यार्थी।

इस एक दिन ने न सिर्फ उनके मन की उलझनों को दूर किया, बल्कि कई बच्चों के मन में यह पक्का इरादा भी जगा दिया कि स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्हें इसी प्रतिष्ठित संस्थान का हिस्सा बनना है।

रचनात्मकता से करियर तक

न्यू एरा स्कूल राजकोट में निफ्ट का खास जागरूकता अभियान

युवा मस्तिष्कों को सही समय पर सही मार्गदर्शन मिलना उनके सफल भविष्य की सबसे पहली सीढ़ी होता है। इसी सोच के साथ नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट) गांधीनगर ने राजकोट के जाने-माने 'न्यू एरा स्कूल' में एक बेहद खास 'जनसंपर्क और जागरूकता अभियान' का आयोजन किया। इस प्रोग्राम का मकसद स्कूली बच्चों को पारंपरिक पढ़ाई से हटकर डिज़ाइन की रंगीन दुनिया और इसमें मौजूद शानदार करियर विकल्पों से रूबरू कराना था।



चित्र 7.1: न्यू एरा स्कूल राजकोट के ऑडिटोरियम में शांति से बैठे छात्र, जो निफ्ट के विशेषज्ञों से 'प्रोग्राम्स ऑफर्ड' और देश भर में मौजूद निफ्ट कैंपस के बारे में जानकारी लेते हुए।



डिज़ाइन, मैनेजमेंट और टेक्नोलॉजी में सुनहरे मौके

इस इंटरैक्टिव सेशन में निफ्ट की टीम ने एक बेहतरीन प्रेजेंटेशन के ज़रिए बच्चों को समझाया कि वे कैसे डिज़ाइन, फैशन मैनेजमेंट और परिधान तकनीक के क्षेत्र में अपना एक सुरक्षित और रचनात्मक भविष्य बना सकते हैं। बच्चों को फैशन की दुनिया की बारीकियों के साथ-साथ यह भी बताया गया कि निफ्ट की शिक्षा उन्हें भविष्य का लीडर कैसे बना सकती है।



चित्र 7.2: प्रेजेंटेशन के दौरान स्कॉलरशिप्स की अहम जानकारी देते निफ्ट संकाय सदस्य और प्रेजेंटेशन के बाद बच्चों के बीच जाकर उनके सवालों का बेहद आत्मीयता से जवाब देती निफ्ट की टीम।

टेक्सटाइल इंडस्ट्री का बदलता स्वरूप

इस खास सत्र के दौरान भारत और खासकर गुजरात की शान यानी 'टेक्सटाइल इंडस्ट्री' पर बहुत ज़ोर दिया गया। बच्चों ने जाना कि आज का कपड़ा उद्योग सिर्फ परिधान निर्माण तक सीमित नहीं है। आज यह इनोवेशन, सस्टेनेबिलिटी, स्मार्ट टेक्सटाइल्स और ग्लोबल बिज़नेस मैनेजमेंट का एक बहुत विशाल और आकर्षक क्षेत्र बन चुका है। निफ्ट की शिक्षा युवाओं को इसी वैश्विक उद्योग की चुनौतियों के लिए तैयार करती है।

बच्चों की उत्सुकता और प्यारा संवाद

तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि स्कूल के बच्चे फर्श पर बैठकर कितनी एकाग्रता के साथ निफ्ट अधिकारियों की बातें सुन रहे हैं। प्रोग्राम खत्म होने के बाद कई छात्रों ने आगे आकर एडमिशन के तरीकों और अपने करियर से जुड़े ढेरों सवाल पूछे। अधिकारियों ने भी मंच से नीचे उतरकर, बिल्कुल एक मेंटोर मित्र की तरह उनके सारे भ्रम दूर किए और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

निफ्ट गांधीनगर का यह आउटरीच प्रोग्राम राजकोट के इन युवा छात्रों के लिए एक नई दुनिया के दरवाज़े खोलने वाला साबित हुआ। इस छोटे से प्रयास ने यकीनन कई बच्चों के मन में डिज़ाइन और नवाचार के क्षेत्र में अपना एक अलग मुकाम हासिल करने का गज़ब का आत्मविश्वास जगा दिया है।

++

++

++

++

"प्रमुख बिंदु - डिज़ाइन, फैशन मैनेजमेंट, परिधान तकनीक और टेक्सटाइल इंडस्ट्री में मौजूद करियर के अनगिनत अवसर"

सपनों की नई उड़ान, दीव के आसमान में

निफ्ट गांधीनगर का जेएनवी दीव में खास जागरूकता अभियान

युवाओं को पारंपरिक करियर विकल्पों से परे एक नई और रचनात्मक दुनिया से परिचित कराने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट) गांधीनगर ने केंद्र शासित प्रदेश दीव स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) में एक 'विशेष जनसंपर्क एवं जागरूकता कार्यक्रम' का बेहद सफल आयोजन किया।



चित्र 8.1: जेएनवी दीव के मंच से विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए निफ्ट निदेशक, जिन्होंने बच्चों में रचनात्मकता और शिक्षा के प्रति एक नया जोश भर दिया।



चित्र 8.2: कार्यक्रम की शुरुआत में मंच पर विराजमान अतिथि और एक-दूसरे का गुलाब के पुष्पों से स्वागत करते निफ्ट व जेएनवी दीव के अधिकारीगण।



चित्र 8.3: निफ्ट की टीम के स्वागत में शानदार वाद्ययंत्र बजाते और मधुर गीत गाते जेएनवी दीव के प्रतिभाशाली स्कूली बच्चे।

संगीत से स्वागत और प्रेरक मार्गदर्शन

दीव के खूबसूरत शहर में स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में उस दिन एक अलग ही ऊर्जा थी। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों की एक बेहद प्यारी म्यूजिकल परफॉरमेंस से हुई, जहाँ उन्होंने ढोलक, हारमोनियम और अन्य वाद्ययंत्रों की धुनों के साथ अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद निफ्ट गांधीनगर के अधिकारियों और जेएनवी के शिक्षकों ने एक-दूसरे को गुलाब भेंट कर इस खास दिन का आगाज़ किया।

मंच से विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए निफ्ट के विशेषज्ञों ने शिक्षा के महत्व और डिज़ाइन की दुनिया में छिपी अनंत संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बच्चों को समझाया कि कैसे वे अपनी कला और रचनात्मकता को एक बेहतरीन करियर में बदल सकते हैं।



चित्र 8.4: ज़मीन पर बैठकर निफ्ट की टीम का प्रेजेंटेशन पूरी एकाग्रता के साथ सुनते जेएनवी दीव के विद्यार्थी।



चित्र 8.5: स्क्रीन के ज़रिए बच्चों को टेक्सटाइल और डिज़ाइन की दुनिया के बारे में दिलचस्प जानकारी देते निफ्ट के विशेषज्ञ।

डिज़ाइन की दुनिया और टेक्सटाइल उद्योग के अवसर

इस संवादात्मक सत्र का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को डिज़ाइन, फैशन प्रबंधन और परिधान प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में जागरूक करना था। निफ्ट की टीम ने छात्रों को समझाया कि आज का डिज़ाइन उद्योग केवल कपड़े बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह तकनीक, स्मार्ट टेक्सटाइल्स, सस्टेनेबिलिटी और प्रबंधन कौशल का एक बेहतरीन मेल बन चुका है। भारत के सबसे मजबूत आर्थिक स्तंभों में से एक, टेक्सटाइल उद्योग में युवाओं के लिए ढेरों अवसर मौजूद हैं।



चित्र 8.6: प्रेजेंटेशन के बाद हाथ में माइक लिए बिना किसी झिझक के अपने करियर से जुड़े सवाल पूछते जेएनवी दीव के जिज्ञासु बच्चे।

बच्चों के बेबाक सवाल और प्यारा संवाद

तस्वीरों में ज़मीन पर बैठे जेएनवी के विद्यार्थियों की एकाग्रता देखते ही बनती है। लेकिन इस पूरे दिन का सबसे खूबसूरत पल वह था, जब बच्चों ने खुद आगे आकर माइक संभाला। तस्वीरों में इन छोटे-छोटे बच्चों को माइक पर पूरे आत्मविश्वास के साथ निफ्ट अधिकारियों से सवाल पूछते देखा जा सकता है। अधिकारियों ने भी बच्चों की हर छोटी-बड़ी जिज्ञासा का बेहद प्यार और सहजता से जवाब दिया।

दीव के जवाहर नवोदय विद्यालय में आयोजित निफ्ट गांधीनगर का यह आउटरीच प्रोग्राम इन युवा छात्रों के लिए डिज़ाइन और नवाचार के नए दरवाज़े खोलने वाला साबित हुआ। इस अभियान ने निश्चित रूप से कई ग्रामीण और प्रतिभावान छात्रों के भीतर निफ्ट जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थान का हिस्सा बनने का एक नया और रंगीन सपना जगा दिया है।

++
++
++

"डिज़ाइन केवल एक पेशा नहीं, बल्कि एक सोच है। जेएनवी दीव के इन होनहार छात्रों के भीतर छिपी रचनात्मकता भारत के टेक्सटाइल उद्योग का भविष्य संवार सकती है।"

रचनात्मक शिक्षा को बढ़ावा

निफ्ट गांधीनगर और ज़िला प्रशासन (गिर सोमनाथ) की संयुक्त पहल से वेरावल में विशाल 'आउटरीच प्रोग्राम'

गुजरात के दूरदराज़ के क्षेत्रों में छिपी युवा प्रतिभाओं को डिज़ाइन और नवाचार के बेहतरीन करियर विकल्पों से अवगत कराने के लिए, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट) गांधीनगर ने ज़िला प्रशासन, गिर सोमनाथ के साथ मिलकर एक अत्यंत सफल 'एडमिशन आउटरीच प्रोग्राम' का आयोजन किया। 29 दिसंबर 2025 को वेरावल स्थित श्रीमती मणिबेन कोटक हाई स्कूल में आयोजित इस संयुक्त पहल का मुख्य उद्देश्य स्थानीय छात्रों के बीच रचनात्मक शिक्षा और डिज़ाइन के प्रति रुचि जगाना था।



चित्र 9.1: वेरावल में विशाल छात्र समूह को संबोधित करते और उन्हें रचनात्मकता की दुनिया से परिचित कराते निफ्ट गांधीनगर के निदेशक प्रो. (डॉ.) समीर सूद।



निदेशक महोदय का प्रेरक संबोधन और मार्गदर्शन

इस भव्य आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि निफ्ट गांधीनगर के निदेशक, प्रो. (डॉ.) समीर सूद ने स्वयं इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। निदेशक महोदय ने मंच से इस विशाल छात्र समूह को संबोधित करते हुए उन्हें बताया कि कैसे डिज़ाइन, फैशन प्रबंधन और प्रौद्योगिकी का क्षेत्र आज असीमित वैश्विक संभावनाओं से भरा है। उन्होंने युवाओं को पारंपरिक करियर की सोच से बाहर निकलकर अपनी रचनात्मकता को पेशेवर उड़ान देने के लिए प्रेरित किया।



चित्र 9.2: इस भव्य आउटरीच कार्यक्रम के दौरान मंच पर एक साथ विराजमान निफ्ट गांधीनगर और गिर सोमनाथ ज़िला प्रशासन के प्रतिनिधि।



चित्र 9.3: रंग-बिरंगी यूनिफॉर्म पहने वेरावल के विभिन्न स्कूलों के सैकड़ों छात्र, जो ज़मीन पर और कुर्सियों पर बैठकर निफ्ट अधिकारियों की बातें पूरी तन्मयता से सुन रहे हैं।

विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों की भारी भागीदारी

इस आउटरीच कार्यक्रम को स्थानीय स्तर पर अद्भुत प्रतिक्रिया मिली। वेरावल और उसके आस-पास के प्रमुख विद्यालयों के छात्रों ने इसमें भारी संख्या में भाग लिया। ऑडिटोरियम में खचाखच भरे इन स्कूली छात्रों की उत्सुकता देखते ही बनती थी। निफ्ट के संकाय सदस्यों और अधिकारियों ने छात्रों को प्रवेश प्रक्रिया और भविष्य के अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।



चित्र 9.4: कार्यक्रम के बाद छात्रों के सवालों के जवाब देते निफ्ट के संकाय सदस्य।

भारी भागीदारी - एक नज़र में

श्रीमती मणिबेन कोटक हाई स्कूल - 70 छात्र

आदित्य बिड़ला हायर सेकेंडरी स्कूल - 70 छात्र

सेठ एम.पी. गर्ल्स हाई स्कूल - 70 छात्र

गवर्नमेंट बॉयज़ हाई स्कूल - 50 छात्र

क्रिस्टल स्कूल - 30 छात्र

श्री के.के. मोरी हाई स्कूल - 30 छात्र

निफ्ट गांधीनगर और गिर सोमनाथ ज़िला प्रशासन का यह संयुक्त प्रयास स्थानीय विद्यार्थियों के लिए मील का पत्थर साबित हुआ है। इस सत्र ने न केवल छात्रों के करियर संबंधी कई संकोच दूर किए, बल्कि कई युवाओं के भीतर निफ्ट जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थान का हिस्सा बनने का एक नया सपना भी जगा दिया है।

"जब प्रशासन और शिक्षा संस्थान एक साथ आते हैं, तो गिर सोमनाथ जैसे क्षेत्रों की प्रतिभाओं को भी वैश्विक डिज़ाइन के पटल पर चमकने का मौका मिलता है।"

फैशन और डिजाईन की दुनिया के समाचार

अंतरराष्ट्रीय समाचार

- **प्रादा (Prada) × LIDCOM और LIDKAR कोल्हापुरी सैंडल सहयोग (11 दिसंबर) -** इटालियन लक़री फैशन हाउस प्रादा ने महाराष्ट्र की संत रोहिदास लेदर इंडस्ट्रीज एंड चमड़कार डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (LIDCOM) और कर्नाटक की डॉ. बाबू जगजीवन राम लेदर इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (LIDKAR) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोग के तहत कोल्हापुरी चप्पल से प्रेरित "Prada Made in India - Inspired by Kolhapuri Chappals" नामक लिमिटेड-एडिशन सैंडल कलेक्शन लॉन्च किया जाएगा। यह फुटवियर फरवरी 2026 तक प्रादा के दुनिया भर में 40 स्टोर्स और ऑनलाइन स्टोरस् पर बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। यह सहयोग मुंबई में इटली-इंडिया बिजनेस काउंसिल की बैठक के दौरान इतालवी वाणिज्य दूतावास में हस्ताक्षरित किया गया।

- **चैनल (Chanel) ने सुश्री अनन्या पांडे को पहली भारतीय ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया (अप्रैल 2025) -** लक़री फैशन हाउस चैनल ने अप्रैल 2025 में बॉलीवुड अभिनेत्री सुश्री अनन्या पांडे को अपनी पहली भारतीय ब्रांड एंबेसडर के रूप में नियुक्त किया। यह नियुक्ति भारत के तेजी से बढ़ते लक़री बाजार पर चैनल के रणनीतिक फोकस और युवा, वैश्विक रूप से जुड़ी पीढ़ी से जुड़ने की इच्छा को दर्शाती है।

ई-कॉमर्स और रिटेल टेक

- **KNOT की \$5 मिलियन फंडिंग (10 दिसंबर) -** मुंबई स्थित क्विक कॉमर्स फैशन प्लेटफॉर्म **KNOT** ने 12 Flags के नेतृत्व में \$5 मिलियन (लगभग ₹42 करोड़) की फंडिंग जुटाई। IIT बॉम्बे के पूर्व छात्रों आर्चित नंदा और रचित बंसल द्वारा 2025 में स्थापित, यह प्लेटफॉर्म जेन-ज़ी और मिलेनियल शॉपर्स के लिए 60 मिनट में फैशन डिलीवरी, हाइपरलोकल डिस्ट्रीब्यूशन और 'ट्राई एंड बाय' मॉडल प्रदान करता है। कंपनी के अनुसार उसे प्रतिदिन 350+ दैनिक ऑर्डर मिल रहे हैं - जो तीन महीनों में 3 गुना की वृद्धि दर्शाता है। नई फंडिंग से KNOT मुंबई और अन्य शहरों में अपने 60-मिनट डिलीवरी नेटवर्क का विस्तार करेगा तथा जैक एंड जोन्स, वेरो मोडा, लुई फिलिप, वैन ह्यूसन और एलन सॉली जैसे प्रीमियम ब्रांडों को अपने पोर्टफोलियो में शामिल कर रहा है

- **डेसीगुआल का माईट्रा के साथ साझेदारी (दिसंबर)** - स्पेनिश फैशन ब्रांड डेसीगुआल ने भारतीय बाजार में अपनी वापसी की घोषणा करते हुए ई-कॉमर्स दिग्गज माईट्रा के साथ रणनीतिक साझेदारी की। पहले चरण में, डेसीगुआल 2025 के स्प्रिंग-समर और ऑटम-विंटर कलेक्शन के एक्सेसरीज़ को माईट्रा पर बेचेगा, और 2026 में कपड़ों की लाइन भी जोड़ेगा। 60 मिलियन से अधिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं वाला माईट्रा, डेसीगुआल के लिए भारत में प्रवेश का प्रमुख माध्यम है।

भारतीय समाचार

- **अमेज़न फैशन की 'वार्डरोब रिफ्रेश सेल 2025' (4-9 दिसंबर)** - अमेज़न फैशन ने अपनी 17वीं 'वार्डरोब रिफ्रेश सेल' का आयोजन किया, जिसमें 1,500 से अधिक ट्रेंडिंग ब्रांडों पर 50-80% तक की छूट दी गई। यह सेल अब केवल ऑफर्स से परे होकर सांस्कृतिक गति पर केंद्रित हो गई है।
- **भीमा गोल्ड का डायमंड ज्वैलरी फेस्टिवल (8 दिसंबर - 11 जनवरी)** - भीमा गोल्ड ने देश भर के अपने स्टोरों पर 'भीमा ब्रिलियंस डायमंड ज्वैलरी फेस्टिवल' लॉन्च किया। यह त्योहार 8 दिसंबर 2025 से 11 जनवरी 2026 तक चला, जिसका लक्ष्य त्योहारी सीजन के दौरान वापस लौटने वाले एनआरआई से बढ़ती डायमंड मांग को पूरा करना था।



शब्दकोश - दिसम्बर 2025

शब्द	वाक्य प्रयोग	शब्द	वाक्य प्रयोग
आकलन	कर्मचारियों के प्रदर्शन का आकलन एक पारदर्शी प्रक्रिया होनी चाहिए।	वस्त्र संलयन	नए उत्पाद विकसित करने के लिए वस्त्र संलयन तकनीकों का उपयोग किया गया है।
Assessment	The assessment of employee performance must be a transparent process.	Textile Fusion	Textile fusion techniques were used to develop new products.
कलात्मक	फैशन फोटोग्राफी में तकनीकी कौशल के साथ-साथ कलात्मक दृष्टिकोण भी आवश्यक है।	डिजिटल प्रतिपादन	डिज़ाइन की प्रस्तुति के लिए उच्च-गुणवत्ता वाले डिजिटल प्रतिपादन की आवश्यकता है।
Artistic	An artistic approach, along with technical skills, is essential in fashion photography.	Digital Rendering	High-quality digital rendering is required for the design presentation.
सतत विकास	संस्थान का ध्यान फैशन उद्योग में सतत विकास के सिद्धांतों पर है।	सूक्ष्म विश्लेषण	बाजार के रुझानों को समझने के लिए उपभोक्ताओं का सूक्ष्म विश्लेषण आवश्यक है।
Sustainable Development	The institute's focus is on the principles of sustainable development in the fashion industry.	Micro-Analysis	Micro-analysis of consumers is necessary to understand market trends.
संरक्षण	ऐतिहासिक वस्त्रों और फैशन संग्रहों के संरक्षण के लिए विशेष प्रयोगशाला है।	सहयोगात्मक	यह परियोजना विभिन्न विभागों के सहयोगात्मक प्रयासों का परिणाम है।
Preservation	There is a special laboratory for the preservation of historical textiles and fashion collections.	Collaborative	This project is the result of collaborative efforts from various departments.
प्रशासनिक दक्षता	नए सॉफ्टवेयर के उपयोग से प्रशासनिक दक्षता में सुधार हुआ है।	मात्रात्मक अनुसंधान	नए बाजार के अवसरों की पहचान के लिए मात्रात्मक अनुसंधान किया गया।
Administrative Efficiency	Administrative efficiency has improved with the use of new software.	Quantitative Research	Quantitative research was conducted to identify new market opportunities.
प्रयोगशाला	छात्रों को नई प्रौद्योगिकी के प्रयोग के लिए प्रयोगशाला का उपयोग करना चाहिए।	अमूर्त कला	डिज़ाइन छात्रों को अमूर्त कला के सिद्धांतों का अध्ययन करना चाहिए।
Laboratory	Students should use the laboratory for experimenting with new technology.	Abstract Art	Design students must study the principles of abstract art.
संसाधन आवंटन	परियोजनाओं की प्राथमिकता के आधार पर संसाधन आवंटन की योजना बनाई गई।	दृश्य साक्षरता	फोटोग्राफी और डिज़ाइन के लिए दृश्य साक्षरता का उच्च स्तर आवश्यक है।
Resource Allocation	Resource allocation was planned based on the priority of the projects.	Visual Literacy	A high level of visual literacy is required for photography and design.

शब्द	वाक्य प्रयोग	शब्द	वाक्य प्रयोग
अनुमान	शोधकर्ता अपने प्रयोगों को शुरू करने से पहले एक मजबूत अनुमान प्रस्तुत करते हैं।	नैतिक दुविधा	हमें फैशन आपूर्ति श्रृंखला में नैतिक दुविधाओं का समाधान करना सीखना चाहिए।
Hypothesis	Researchers present a strong hypothesis before beginning their experiments.	Ethical Dilemma	We must learn to resolve ethical dilemmas in the fashion supply chain.
क्षमता निर्माण	संस्थान भविष्य की चुनौतियों के लिए संकाय सदस्यों में क्षमता निर्माण पर जोर देता है।	संवर्धित विनिर्माण	डिजाइनिंग में तीव्र प्रोटोटाइपिंग के लिए संवर्धित विनिर्माण एक महत्वपूर्ण तकनीक है।
Capacity Building	The institute emphasizes capacity building among faculty members for future challenges.	Additive Manufacturing (3D Printing)	Additive manufacturing is a crucial technique for rapid prototyping in designing.
अध्यापन	हम सक्रिय शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए नई अध्यापन विधियों का प्रयोग करते हैं।	मूल्यांकन	सभी शिक्षण कार्यक्रमों का नियमित मूल्यांकन किया जाना चाहिए।
Pedagogy	We use new pedagogy methods to promote active learning.	Evaluation	Regular evaluation of all teaching programs must be done.
समस्या निवारण	प्रशासनिक प्रणाली में समस्याओं को हल करने के लिए प्रभावी समस्या निवारण कौशल आवश्यक है।	पोर्टफोलियो	छात्रों को उद्योग के मानदंडों के अनुरूप एक मजबूत पोर्टफोलियो विकसित करना चाहिए।
Troubleshooting	Effective troubleshooting skills are essential for resolving issues in the administrative system.	Portfolio	Students should develop a strong portfolio consistent with industry standards.
विनियमन	संस्थान के सुचारू संचालन के लिए मजबूत विनियमन नीतियां आवश्यक हैं।	डिज़ाइन थिंकिंग	समस्याओं को रचनात्मक रूप से हल करने के लिए डिज़ाइन थिंकिंग प्रक्रिया का उपयोग करें।
Governance	Strong governance policies are necessary for the smooth operation of the institute.	Design Thinking	Use the design thinking process to solve problems creatively.
साइबर सुरक्षा	सभी डिजिटल डेटा की सुरक्षा के लिए कठोर साइबर सुरक्षा उपायों का पालन करें।	कैलेंडर	शैक्षणिक सत्र की शुरुआत से पहले सभी कार्यक्रमों का कैलेंडर प्रकाशित किया जाना चाहिए।
Cyber Security	Adhere to strict cyber security measures to protect all digital data.	Schedule	The schedule for all programs should be published before the start of the academic session.
संवेदी विश्लेषण	वस्त्रों के आराम और गुणवत्ता का आकलन करने के लिए संवेदी विश्लेषण का प्रयोग होता है।	प्रतिस्पर्धात्मक लाभ	नवीनतम प्रौद्योगिकी का उपयोग हमारे संस्थान को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ देता है।
Sensory Analysis	Sensory analysis is used to assess the comfort and quality of textiles.	Competitive Advantage	Using the latest technology gives our institute a competitive advantage.





राजभाषा अनुभाग
राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर
वस्त्र मंत्रालय , भारत सरकार

जय हिंद